Indian Streams Research Journal
ISSN 2230-7850
Volume-4 | Issue-5 | June-2014 Available online at www. isrj.net

गाजीपुर जनपद (उ.प्र.) में सेवा केन्द्रों की समन्वित ग्रामीण विकास में भूमिका

अजीत कुमार यादव

प्राचार्य, गुरूकुल महाविद्यालय पत्थलगांव जिला–जशपुर (छ.ग.)

सारांश :- प्रस्तुत शोध प्रपत्र में गाजीपुर जनपद के समन्वित ग्रामीण विकास में सेवा केन्द्रों की समन्वित सेवाओं की भूमिका का अध्ययन किया गया है। अध्ययन क्षेत्र मध्य गंगा मैदान के समतल एवं उपजाऊ भूमि में स्थित है। यहां सर्वत्र सेवा केन्द्रों के विकास के लिये उपयुक्त भौगोलिक एवं सांस्कृतिक परिस्थितियां उत्तरदायी है। क्षेत्र के चयनित सेवा केन्द्रों पर सामाजिक–आर्थिक सेवाओं का वितरण असमान रूप में पाया जाता है। क्षेत्र के नगरीय क्षेत्रों में स्थित सेवा केन्द्रों पर सामाजिक–आर्थिक सेवाओं की प्रधानता एवं ग्रामीण व दूरवर्ती छोटे सेवा केन्द्रों पर सामाजिक–आर्थिक सेवाओं की कमी क्षेत्रीय विकास प्रतिरूप के लिए उत्तरदायी हैं। क्षेत्र में सामाजिक–आर्थिक सेवाओं की भूमिका मध्यवर्त्ती भाग में अतिउच्च श्रेणी का एवं दक्षिणी–पूर्वी व उत्तरी–पूर्वी भाग में सामाजिक सेवाओं के सीमित वितरण के कारण समन्वित ग्रामीण विकास में समन्वित सेवाओं की भूमिका न्यून श्रेणी का हैं।

प्रस्तावना :

सेवा केन्द्र सामाजिक–आर्थिक एवं राजनैतिक क्रियाकलापों के केन्द्र होते हैं। इसलिए किसी क्षेत्र के सर्वांगीण विकास में अपना योगदान देने में सक्षम होते हैं। किसी भी क्षेत्र के अर्थतंत्र एवं सामाजिक संरचना को संचालित करने में इनका बिन्दुवत वितरण महत्वपूर्ण स्थान रखता हैं। इनकी उत्पत्ति एवं भौगोलिक स्थिति आर्थिक क्षेत्र को पुनर्गठित करने में सहायक सिद्ध होती है। सेवा केन्द्र विभिन्न पदानुक्रम वर्ग में अपना आर्थिक क्षेत्र विकसित करके सामाजिक–आर्थिक और संस्थागत संरचना को रूपान्तरित करने में सक्षम होते हैं,(पाण्डेय,1985)[1]। सैद्धान्तिक रूप में विभिन्न पदानुक्रम वर्ग के केन्द्रों का नियमित वितरण प्रतिरूप और उनके द्वारा सेवित क्षेत्रों का अन्तः ग्रन्थित स्वरूप समन्वित ग्रामीण विकास के एक मांडल के रूप में लिया जा सकता है। इसी संन्दर्भ में किसी भी क्षेत्र में सेवा केन्द्रों का वितरण प्रतिरूप और उनके पारस्परिक अन्तर्सम्बन्धों के आधार पर समन्वित ग्रामीण विकास का ढ़ांचा तैयार किया जाता है, (पाण्डेय, 1987)[2] के अनुसार किसी भी क्षेत्र के समन्वित ग्रामीण विकास में वहां के केन्द्रों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है अतः इन्ही केन्द्रों के द्वारा क्षेत्रों का विकास सम्भव है। अतः सेवा केन्द्रों के महत्व को समन्वित ग्रामीण विकास के निरूपण में नकारा नहीं जा सकता है। सेवा केन्द्र क्षेत्रीय महत्व के ऐसे केन्द्र होते हैं जो कार्यो को सम्पादित करते हुए प्राथमिक एवं द्वितीयक कार्यो की अपेक्षा तृतीयक व चतुर्थक क्रियाओं को सघनता से सम्पादित करते है। ये अपने अग्रगामी व पश्चगामी क्रियाओं द्वारा अपने प्रभाव क्षेत्र का निर्धारण करते हुए क्षेत्र को निरंतर सेवाएं प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं,(मिश्रा,1971)[3]।

विधितंत्र– प्रस्तुत अध्ययन में समन्वित सेवाओं के निर्धारण हेतु चयनित सेवा केन्द्रों पर शैक्षणिक, स्वास्थ्य, प्रषासनिक, मनोरंजन, बैंकिंग, संचार, परिवहन, औद्योगिक एवं सहकारी समितियों की सेवाओं के अध्ययन हेतु प्राथमिक आकडों का एवं विकासखण्डानुसार समन्वित सेवाओं के लिए द्वितीयक आकडों का उपयोग किया गया है। समन्वित सेवाओं की भूमिका के अध्ययन हेतु सांख्यकीय विधि के अन्तर्गत Z Score विधि से विकासखण्डानुसार निम्न श्रेणियों में विभक्त कर उनका विष्लेषणात्मक एवं तुलनात्मक अध्ययन किया गया है।

अध्ययन क्षेत्र–गाजीपुर जनपद उत्तर प्रदेष एवं वाराणसी मण्डल के पूर्वी भाग में $25^{0}19'$ से $25^{0}54'$ उत्तरी अक्षांष एवं $83^{0}4'$ से $83^{0}58'$ पूर्वी देषान्तर के मध्य स्थित है। यह जनपद पूर्व में बिहार राज्य के बक्सर जनपद से, पष्चिम में जौनपुर, दक्षिण में चन्दौली, दक्षिण–पष्चिम में वाराणसी, उत्तर–पष्चिम में आजमगढ़, उत्तर में मऊ एवं उत्तर–पूर्व में बलिया जनपद

से घिरा हुआ है। जनपद का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 3,377 वर्ग किमी. है, जो राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 1.5 प्रतिषत है। इस जनपद की पूर्व–पष्चिम की ओर लम्बाई 89 किमी. एवं उत्तर–दक्षिण की ओर चौड़ाई 59 किमी. है। प्रषासनिक दृष्टिकोण से गाजीपुर जनपद 5 तहसीलों, 16 विकासखण्डों, 193 न्यायपंचायतों, 1050 ग्रामपंचायतों, 3364 ग्रामों में विभक्त है। 2011 की जनगणना के अनुसार जनपद की कुल जनसंख्या 36,22,727 है, जिसमें 18,56,584 पुरूष एवं 17,66,143 महिलायें हैं। यहां का औसत जनघनत्व 1072 व्यक्ति/वर्ग किमी., साक्षरता 74.27% एवं लिंगानुपात 951 है।

किसी भी क्षेत्र के सामाजिक–आर्थिक एवं क्षेत्रीय विकास में सेवा केन्द्र ध्रुवीय भूमिका निभाते हैं। जहां पर सेवा केन्द्र वृहद स्तरीय एवं अधिक होते हैं, वहां पर क्षेत्रीय विकास उच्चस्तरीय एवं जहां पर सेवा केन्द्र निम्नस्तरीय एवं कम पाये जाते हैं वहां पर क्षेत्रीय विकास निम्न का स्तर पाया जाता है, लेकिन जिन क्षेत्रों में वृहद एवं लघुस्तर के सेवा केन्द्र एक साथ पाये जाते हैं, वहां पर क्षेत्रीय विकास का प्रतिरूप अपेक्षाकृत मध्यम स्तर का होगा, (तिवारी,1998)[4]। समन्वित ग्रामीण विकास की प्रक्रिया में सेवा केन्द्रों में पदानुक्रम पाया जाता है, जो लघु ग्रामीण केन्द्रों से लेकर बड़े केन्द्रों तक प्राप्त होते हैं। ग्रामीण विकास के अन्तर्गत नयी संस्थाओं के निर्माण के साथ ही संस्थागत सुविधाओं के उपयोग हेतु ग्रामीण जनसंख्या में विकास परख सामाजिक मूल्यों का विकास आवश्यक है। समन्वित ग्रामीण विकास के अन्तर्गत कृष्येतर क्रियाकलापों में वृद्धि सम्मिलित किया जाता है। विकास की इस जटिल प्रक्रिया में सेवा केन्द्र एक संस्था के रुप में कार्य करते हैं तथा क्षेत्रीय उत्पादों के वितरण में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण होती है,(सिंह,1997)[5]।

किसी भी क्षेत्र में विभिन्न केन्द्रों के मध्य स्थानिक अन्तर्क्रिया के परिणामस्वरूप कार्यात्मक समन्वय विकसित होता है। स्थानिक अन्तर्क्रिया परिवहन एवं संचार साधनों द्वारा मांग और आपूर्ति के आधार पर विकसित होती है। ग्रामीण क्षेत्रो में बड़े सेवा केन्द्रों से छोटे सेवा केन्द्रों की ओर कार्यात्मक प्रवाह पाया जाता है। यह कार्यात्मक प्रवाह परिवहन साधनों की तीव्रता एवं गहनता के कारण संभव होता है। उल्मैन [6] ने 1954 में दो स्थानों के मध्य स्थानिक अन्तर्क्रिया के मध्य कार्यात्मक गहनता को तीन तत्वों के आधार पर बताया है, जो इस प्रकार हैं–

1. **परिपूरकता**–किन्ही दो स्थानों के मध्य अन्तर्क्रिया तभी सम्भव होती है, जब एक स्थान पर मांग एवं दूसरे स्थान पर आपूर्ति की सुविधा हो।
2. **स्थानान्तरणषीलता**–इनसे तात्पर्य मार्ग की सुलभता एवं परिवहन के साधनों से है।
3. **मध्यस्थ अवसरों की कमी**– जब दो स्थानों के मध्य किसी मध्यस्थ अवसरों की कमी रहने पर कार्यात्मक सम्बद्धता उच्च स्तर की होती है। सेवा केन्द्र पारस्परिक अन्तर्क्रिया के परिणामस्वरूप विकसित होते हैं और अपने क्षेत्र के समन्वित ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं।

सेवा केन्द्रों की समन्वित ग्रामीण विकास में भूमिका–

समन्वित ग्रामीण विकास में सेवा केन्द्रो की केन्द्रीय भूमिका होती है। इन्ही के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक–आर्थिक क्रियाओं को प्रोत्साहन मिलता है। सेवा केन्द्रों का अभ्युदय स्थानीय एवं क्षेत्रीय आवष्यकताओं के अनुरूप होता है। इनके द्वारा ग्रामीण जीवन के विभिन्न पक्ष निरन्तर प्रभावित होते हैं। सेवा केन्द्रों पर विकास के कार्य के लिए निर्धारण विभिन्न कार्यक्रमों का संचालन एवं क्षेत्रीय आवष्यकताओं की पूर्ति होती है। ये सेवा केन्द्र अपने क्षेत्र के लिए श्रेयस्कर वातावरण के साथ ही रोजगार के नये अवसर प्रदान करते है एवं नगरीय प्रवास की प्रवृत्ति को रोकने में सहायक होते हैं। ये अपने प्रषासनिक सीमा क्षेत्र एवं निकटवर्ती चतुर्दिक फैले क्षेत्रों के निवासियों को प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभकारी प्रभाव प्रदान करने वाली एक प्रमुख अधिवासी इकाई है, (सिंह, 2007)[7]। समन्वित ग्रामीण विकास में नवाचारों का प्रसार अधोमुखी प्रक्रिया से होता है। सेन[8] ने 1971 में आन्ध्रप्रदेष के मिर्यालगुदा तालुका में विकास की विचारधाराओं का व्यावहारिक प्रयोग किया। सुन्दरम[9] ने 1972 मे सेवा केन्द्रों को ग्रामीण समुदाय के लिए प्रकाष बिन्दु मानते हुए उनकी सेवाओं एवं क्रियाकलापों का यथा सामाजिक–आर्थिक, प्रषासनिक एवं सांस्कृतिक कार्यो को पारस्परिक आश्रित मानते हुए दिल्ली प्रदेष के विषेष संदर्भ में अध्ययन किया। चन्द्रषेखर[10] ने 1972 में क्षेत्रीय विकास में विकास केन्द्रों की भूमिका का मूल्यांकन करते हुए मानवीय क्रियाकलापों का संष्लिष्ट रूप में अध्ययन किया है। विकास केन्द्र क्षेत्रीय विकास एवं सामाजिक न्याय के लिए आवष्यक अवस्थापनात्मक तत्वों की स्थिति एवं प्रावधान को उचित कड़ियों में जोड़ने का प्रयास किया है, जो क्षेत्रीय विकास नीति में एक नये आयाम को प्रश्रय प्रदान करते हैं। क्षेत्र का सर्वागींण विकास उस क्षेत्र में पाये जाने वाले विकास केन्द्रों एवं स्थानीय संसाधनों के सम्यक उपयोग पर निर्भर रहता है। सेवाओं के समुचित

वितरण हेतु ये केन्द्र स्थानीय जनसंख्यां को सुलभ कराने में आधारीय योगदान देते हैं तथा विकास स्तर को निर्धारित करते है, (पाण्डेय एवं पाण्डेय, 1990)[11] ।

भारतीय सन्दर्भ में सेवा केन्द्र अधोमुखी प्रक्रिया द्वारा नवाचारों का प्रसार करते हैं। सेवा केन्द्र द्वारा विकास केन्द्र की भांति आर्थिक विकास प्रक्रिया में रोजगार में वृद्धि का प्रष्न है तो ग्रामीण परिवेष में विभिन्न पदानुक्रम वर्ग में अपेक्षाकृत बड़े सेवा केन्द्र विकास केन्द्रों की तरह रोजगार में वृद्धि करते हैं। यह रोजगार में वृद्धि तीन तरह से हो सकती है–

1. प्रत्यक्ष रोजगार– यदि सेवा केन्द्र पर कोई उद्योग या अवस्थानात्मक कार्य विकसित है तो उसमें कुछ लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध होता है।
2. अप्रत्यक्ष रोजगार– केन्द्र पर प्रत्यक्ष रोजगार में लगे लोगों के लिए परिवहन एवं अन्य आवष्यक वस्तुओं के वितरण में लोग लगे रहते हैं। सेवा केन्द्रों पर भी वह कार्य करते हैं।
3. अभिप्रेरक रोजगार–इस प्रक्रिया में ग्रामीण क्षेत्र के निवासी विभिन्न कार्य करने वाले लोगों की आवष्यकताओं की पूर्ति हेतु उत्पादन तन्त्र में परिवर्तन करके लाभ प्राप्त करते हैं। क्षेत्र सर्वांगीण विकास में सेवा केन्द्र की भूमिका परिपूरकता का कार्य करते हैं।

समन्वित विकास के चर–समन्वित ग्रामीण विकास में सेवा केन्द्रों की भूमिका ज्ञात करने के लिए सामाजिक–आर्थिक विकास को आधार माना गया है। किसी भी ग्रामीण क्षेत्र में समन्वित विकास के आधार पर ही वहां के निवासियों के जीवनस्तर, रहन–सहन, आचार–व्यवहार, रीति–रिवाज एवं आय के स्रोत आदि का स्तर ज्ञात होता है। इसलिए यहां पर सामाजिक–आर्थिक विकास के चरों को अध्ययन हेतु उपयुक्त एवं सरल माना गया है जो इस प्रकार है– शैक्षणिक, स्वास्थ्य, प्रशासनिक, मनोरंजन, बैंकिंग, संचार, परिवहन, औद्योगिक एवं सहकारी समितियों की सेवाएं।

शैक्षणिक सेवाएं– मानव के सर्वांगीण विकास के लिए षिक्षा एक महत्वपूर्ण पहलू है। षिक्षा स्वयं सामाजिक –आर्थिक प्रगति प्रारम्भ नहीं करती परन्तु षिक्षा की कमी विकास प्रक्रिया में बाधा अवष्य उत्पन्न कर सकती है अतः षिक्षा के आभाव में विकास रणनीति असफल रहती है। जनता में जब तक षिक्षा का प्रसार नहीं होता है तब तक उसके क्रियाकलापों एवं दृष्टिकोण में न परिवर्तन होगा और न ही विकास सम्बन्धी प्रक्रिया पूर्ण होगी, (वनमाली, 1970)[12]। क्षेत्र के शैक्षणिक सेवाओं को प्रदान करने वाले सेवा केन्द्रों को तालिका संख्या 1.1 में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका संख्या 1.1
गाजीपुर जनपद के चयनित सेवा केन्द्रों पर शैक्षणिक संस्थाओं का वितरण

क्र.	शिक्षण संस्थाओं के नाम	सेवा केन्द्रों की संख्या
1	प्राथमिक विद्यालय	133
2	पूर्व माध्यमिक विद्यालय	130
3	माध्यमिक विद्यालय	122
4	स्नातक एवं स्नातकोत्तर	32
5	पालिटेक्निक, केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालय	1–1
6	जिला शिक्षा एवं प्रषिक्षण संस्थान	1

तालिका संख्या 1.1 से स्पष्ट है कि क्षेत्र के चयनित 133 सेवा केन्द्रों पर सभी प्रकार की षैक्षणिक सेवाएं असमान रूप में पायी जाती हैं।

प्राथमिक विद्यालय– क्षेत्र के चयनित 133 सेवा केन्द्रों पर प्राथमिक विद्यालय पाये जाते हैं। यहां प्राथमिक विद्यालयों की संख्या जनसंख्या आकार के अनुसार कम या अधिक पायी जाती हैं। पांच से अधिक प्राथमिक विद्यालय– गाजीपुर, गहमर, मुहम्मदाबाद, जमानियां, सैदपुर, सादात, दिलदारनगर एवं उसिया सेवा केन्द्रों पर है। चार से पांच प्राथमिक विद्यालय–बहादुरगंज, रेवतीपुर, षेरपुर में है। तीन से चार प्राथमिक विद्यालय– सेवराई, करीमुद्दीनपुर, नवली, सुहवल एवं जलालाबाद में है। दो से तीन प्राथमिक विद्यालय– जंगीपुर, मिर्जापुर, नारीपंचदेवरा, मरदह, गौसपुर, बेरावर, खानपुर, गंगौली, नोनहरा, देवकली, कुण्डेसर, जखनियां, विरनों, करण्डा, कासिमाबाद, बहरियाबाद, वीरपुर, औड़ियार, हंसराजपुर, देवल, चोचकपुर, मुडियारी, सिधौना, गंगवरारजीवपुर, बडेसर, महेन्द ,गोसन्देपुरउपरवार, पचोखर, नन्दगंज, सिंगेरा एंव बद्धोपुर एवं अन्य सेवा केन्द्रों पर दो से कम प्राथमिक विद्यालय पाये जाते हैं।

पूर्व माध्यमिक विद्यालय– क्षेत्र के चयनित 130 सेवा केन्द्रों पर पूर्व माध्यमिक विद्यालय पाये जाते हैं। पांच से अधिक पूर्व माध्यमिक विद्यालय– गाजीपुर, सैदपुर एवं जमानियां सेवा केन्द्र में हैं। चार से पांच पूर्व माध्यमिक विद्यालय–गहमर, शेरपुर, सादात ,रेवतीपुर, मुहम्म्दाबाद में हैं। तीन से चार पूर्व माध्यमिक विद्यालय– दिलदारनगर, नवली, जंगीपुर, बहदुरगंज में है। दो से तीन पूर्व माध्यमिक विद्यालय–सरायगोकुल, पचोखर, गोबिन्दपुरकीरत, कटरियाउपरवार, महेन्द, बडेसर, भितरी, चोचकपुर, बद्धोपुर, सिंगेरा, हंसराजपुर, अंधऊं, सिधौना, शादियाबाद, मनिहारी, बहरियाबाद, दुल्लहपुर, जखनियां, वाराचवर, नन्दगंज, कुडेसर, देवकली, नोनहरा, गंगौली, युवराजपुर, बेरावर, खानपुर, गौसपुर, मरदह, मिर्जापुर, करीमुद्दीनपुर, सुहवल, सेवराई में एवं अन्य सेवा केन्द्रों पर दो से कम पूर्व माध्यमिक विद्यालय पाये जाते हैं ।

माध्यमिक विद्यालय–क्षेत्र के चयनित 122 सेवा केन्द्रों पर माध्यमिक विद्यालय पाये जाते हैं। पांच से अधिक माध्यमिक विद्यालय– गाजीपुर, मुहम्मदाबाद, जमानियां एवं सैदपुर में है। चार से पांच माध्यमिक विद्यालय– गहमर, सादात एवं सेवराई में है। तीन–चार माध्यमिक विद्यालय–उसिया, दिलदारनगर, शेरपुर, नवली, देवकली ,मरदह, बहादुरगंज एवं रूहीपुर में है। दो–तीन माध्यमिक विद्यालय– बहरियाबाद, कासिमाबाद, भांवरकोल, करण्डा, मनिहारी, अवादानउर्फवरान्, वाराचवर, भुड़कुड़ा, विरनो, जखनियां, नन्दगंज, सिखडी, गंगौली, बेटावर, खानपुर ,फुल्लीताचौ.अजमल, मिर्जापुर, जंगीपुर, रेवतीपुर, चोचकपुर, रामपुरमांझा, वासुदेवपुर ,भितरी, बुजुर्गा, फतेहअल्लाहपुर, मलिकपुरा, ताजपुरडेहमा एवं बोगना में है। अन्य सेवा केन्द्रों पर दो से कम माध्यमिक विद्यालय पाये जाते हैं। ग्यारह सेवा केन्द्रों पर माध्यमिक विद्यालय नहीं पाये जाते हैं ।

स्नातक एवं स्नातकोत्तर महाविद्यालय– क्षेत्र के चयनित 32 सेवा केन्द्रों पर स्नातक एवं स्नातकोत्तर महाविद्यालय पाये जाते हैं। पांच स्नातक एवं स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर सेवा केन्द्र में है। चार स्नातक एवं स्नातकोत्तर महाविद्यालय मुहम्मदाबाद, सादात, जमानियां में है। तीन स्नातक एवं स्नातकोत्तर महाविद्यालय सैदपुर एवं देवकली में हैं। दो स्नातक एवं स्नातकोत्तर महाविद्यालय गहमर, रेवतीपुर, भुडकुडा एवं दिलदारनगर में है। एक स्नातक एवं स्नातकोत्तर महाविद्यालय कासिमाबाद, भांवरकोल, बरहट, सिखडी, हथियाराम, गंगौली, बहादुरगंज, जलालाबाद, दुल्लहपुर, वारा, शेरपुर, सलेमपुरबघाई, खरडीहा, खालिसपुर, रूहीपुर, मुड़ियारी, मलिकापुरा, रामपुरमांझा एवं दौलतपुर में है। गाजीपुर में राजकीय पालिटेक्निक विद्यालय, राजकीय औद्योगिक प्रषिक्षण केन्द्र, राजकीय होम्योपैथिक विद्यालय, नवोदय विद्यालय है। सैदपुर में प्राथमिक विद्यालय के षिक्षकों का प्रषिक्षण केन्द्र है। होम्योपैथिक विद्यालय गाजीपुर, सादात, जमानियां, सहेडी एवं बहरियाबाद में है।

स्वास्थ्य सेवाएं– किसी भी क्षेत्र में निवास करने वाली शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ्य जनसंख्या वहां के संसाधन गत्यात्मकता की निर्धारक होती है। अतः मानव के स्वास्थ्य सुरक्षा करना नितान्त आवष्यक है। क्षेत्र के स्वास्थ्य सुविधाओं को प्रदान करने वाले सेवा केन्द्रों को तालिका संख्या 1.2 में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका संख्या 1.2
गाजीपुर जनपद के सेवा केन्द्रों पर स्वास्थ्य सेवाओं का वितरण

क्र.	स्वास्थ्य सुविधाएं	सेवा केन्द्रों की संख्या
1	चिकित्सालय	27
2	पषु चिकित्सालय	29
3	परिवार एवं मातृ षिषु कल्याण केन्द्र	17
4	कृत्रिम गर्भादान केन्द्र	18
5	पषुधन विकास केन्द्र	26
6	नर्सिग होम	24
7	होम्योपैथिक केन्द्र	18
8	प्राथमिक उपचार केन्द्र	133
9	भेड़ विकास केन्द्र	4
10	सुअर विकास केन्द्र	8

चिकित्सालय– क्षेत्र के गाजीपुर, गहमर, मुहम्मदाबाद, रेवतीपुर, जमानियां, सैदपुर, बहादुरगंज, सादात, मरदह, देवकली, कुण्डेसर, नन्दगंज, जखनियां, वाराचवर, मनिहारी, करण्डा, भांवरकोल, भदौरा, कासिमाबाद, अंघऊ, हंसराजपुर, सुखडेहरा, चोचकपुर, भंडसर, डेढ़गांवा, वासुदेवपुर एवं खरडीहा में चिकित्सालय है।

पषु चिकित्सालय–गाजीपुर, गहमर, मुहम्मदाबाद, रेवतीपुर, जमानियां, सैदपुर, उसिया, वारा, जलालाबाद, नवली, सुहवल, सादात, दिलदारनगर, करीमुद्दीनपुर, जंगीपुर, मरदह, नोनहरा, नन्दगंज, देवकली, कुडेसर, जखनियां, विरनों, वाराचवर, मनिहारी, करण्डा, भांवरकोल, भदौरा, कासिमाबाद एवं बहरियाबाद आदि सेवा केन्द्रों पर पषुचिकित्सालय हैं ।

परिवार एवं मातृ षिषु कल्याण केन्द्र–गाजीपुर, मुहम्म्दाबाद, जमानियां, रेवतीपुर, मिर्जापुर, सैदपुर, सादात, मरदह, देवकली, जखनियां, विरनों, वाराचवर, भदौरा, मनिहारी, करण्डा, भांवरकोल एवं कासिमाबाद आदि में परिवार एवं मातृ षिषु कल्याण केन्द्र है।

कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र–गाजीपुर, गहमर, रेवतीपुर, मुहम्म्दाबाद, जमानियां, सैदपुर, सादात, मरदह, देवकली, जखनियां, विरनों, वाराचवर, मनिहारी, करण्डा, भांवरकोल, भदौरा, वहरियाबाद एवं कासिमाबाद में कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र पाये जाते हैं।

पषुधन विकास केन्द्र– क्षेत्र के गाजीपुर, गहमर, रेवतीपुर, मुहम्मदाबाद, जमानियां, सैदपुर, नवली, सुहवल, सादात, दिलदारनगर, करीमुद्दीनपुर, जंगीपुर, मिर्जापुर, मरदह, नोनहरा, देवकली, कुंडेसर, नन्दगंज, जखनियां, विरनों, वाराचवर, मनिहारी, करण्डा, भांवरकोल, भदौरा एवं कासिमाबाद में पषुधन विकास केन्द्र पाये जाते हैं ।

नर्सिग होम–यहां नर्सिग होम गाजीपुर, गहमर, मुहम्मदाबाद, रेवतीपुर, शेरपुर, जमानियां, सैदपुर, बहादुरगंज, सादात, दिलदारनगर, छावनीलाइन, मरदह, गौसपुर, देवकली, नन्दगंज, जखनियां, विरनों, वाराचवर, दुल्लहपुर, औड़ियार, अंधऊ, हंसराजपुर, भंडसर, बडेसर आदि केन्द्र पर हैं।

होम्योपैथिक केन्द्र– क्षेत्र के गाजीपुर, गहमर, मुहम्मदाबाद, रेवतीपुर, जमानियां, सैदपुर, सादात, सिखड़ी, नन्दगंज, दुल्लहपुर, औड़ियार, अंघऊ, हंसराजपुर, भंडसर एवं सहेडी में होम्योपैथिक सेवाएं पायी जाती हैं। प्राथमिक उपचार केन्द्र की सुविधाएं सभी सेवा केन्द्रों पर उपलब्ध हैं।

भेड़ एवं सुअर विकास केन्द्र–गाजीपुर, गहमर, मुहम्मदाबाद एवं रेवतीपुर केन्द्र पर भेड़ विकास केन्द्र एवं गाजीपुर, गहमर, मुहम्मदाबाद, रेवतीपुर, जमानियां, सैदपुर, उसिया वाराचवर आदि में सुअर विकास केन्द्र हैं।

प्रषासनिक सुविधाएं– शान्ति एवं सुरक्षा किसी भी क्षेत्र के संतुलित विकास हेतु प्रथम व अनिवार्य षर्त है। शान्ति एवं सुरक्षा में निर्भय रहकर कोई भी व्यक्ति अपनी अधिकतम ऊर्जा का प्रयोग पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं राजनैतिक विकास करता है। क्षेत्र में 6 कोतवाली 18 थाना एवं 29 पुलिस चौकियां कार्यरत हैं। क्षेत्र का गाजीपुर सेवा केन्द्र प्रमुख नगर मुख्यालय है जहां पर कोतवाली एवं 5 पुलिस चौकियां है। मुहम्मदाबाद जमानियां, सैदपुर नगरीय केन्द्र हैं। यहां पर कोतवाली के साथ एक–एक पुलिस चौकी हैं भुडकुड़ा कोतवाली जखनियां तहसील के निकट है उसके माध्यम से इस वृहद क्षेत्र में नियंत्रण होता है जबकि करण्डा, जंगीपुर, खानपुर, बहरियाबाद, सादात, शादियाबाद, दुल्लहपुर, नन्दगंज, बडेसर, करीमुद्दीनपुर, भावरकोल, कासिमाबाद, मरदह, विरनो, नोनहरा, दिलदारनगर, गहमर, सुहवल इन सेवा केन्द्रों पर थानों के निर्मित होने से इनके क्षेत्र में प्रशासनिक व्यवस्था सुचारू रूप से सम्पादित होती रहती है। जनता को उचित न्याय दिलाने के उद्देष्य से जनपद में कई न्यायालयों एवं जिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी, मुख्य राजस्व अधिकारी, मुख्य उपजिलाधिकारी, तहसील, मुख्य विकास अधिकारी, विकास अधिकारी, सहायक विकासखण्ड अधिकारी, ग्राम पंचायत, विकासखण्ड कार्यालय का गठन किया गया है। इसके माध्यम से क्षेत्र के निवासियों की दीवानी, फौजदारी, विद्युत से सम्बन्धित मामले, अनुसूचित एवं अनुसूचित जनजाति, आबकारी आदि मामलों को सरलता पूर्वक निस्तारण किया जाता है।

मनोरंजन सेवाएं– मनोरंजन मनुष्य की मूलभूत आवष्यकता है। मनोरंजन के विविध रूप खेल–कूद, अध्ययन व सुन्दर दृश्यों के अवलोकन से हमारा हृदय असीम आनन्द से भर उठता है। इससे शरीर के रक्त संचार को नवीन गति और स्फूर्ति मिलती है। क्षेत्र में सेवा केन्द्रों पर मनोरंजन सम्बन्धी सुविधाओं का पर्याप्त विकास हुआ है। क्षेत्र के नगरीय सेवा केन्द्रों यथा– गाजीपुर, मुहम्मदाबाद, जमानियां, सैदपुर, सादात, दिलदारनगर, बहादुरगंज, जंगीपुर में मनोरंजन की सुविधाएं पायी जाती है। सलेमपुरबघाई में खेलकूद के मैदान, भितरी में पार्क, नन्दगंज, जखनियां, भदौरा एवं कासिमाबाद में सिनेमाघर की सुविधाएं पायी जाती हैं।

बैंकिंग सेवाएं– आधुनिक अर्थव्यवस्था में कृषि, उद्योग, व्यापार, वाणिज्य एवं परिवहन आदि का विकास बैंकिंग प्रणाली पर निर्भर है। बैंक प्रगति के सूचक बन गये हैं, जिन क्षेत्रों में बैंक नहीं होते हैं वे आर्थिक दृष्टि से पिछड़े माने जाते हैं। बैंकों

के विकास से क्षेत्र की आर्थिक स्थिति का अनुमान लगाया जा सकता है। क्षेत्र के बैंक सेवाओं के वितरण में असमानता पायी जाती है, जिसे तालिका संख्या 1.3 में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका संख्या 1.3
गाजीपुर जनपद में सेवा केन्द्रों पर बैंक सेवाओं का विवरण

क्र.	बैंकों के नाम	सेवा केन्द्रों की संख्या
1	स्टेट बैंक आफ इण्डिया	4
2	सेन्ट्रल बैंक, बडौदा एवं बैंक आफ इण्डिया	1–1
3	अरबन बैंक	2
4	भूमि विकास बैंक	4
5	कोषागार एवं उपकोषागार	5
6	भारतीय जीवन बीमा निगम	3
7	सहकारी बैंक	22
8	यूनियन बैंक आफ इण्डिया	35
9	पंजाब नेशनल बैंक	3
10	इलाहाबाद बैंक	7

स्टेट बैंक आफ इण्डिया–क्षेत्र के गाजीपुर, सैदपुर, मुहम्मदाबाद एवं जमानियां में स्टेट बैंक है। ये सभी सेवा केन्द्र नगरीय सेवाओं से युक्त है। बैंक आफ बडौदा, बैक आफ इण्डिया एवं सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया की सुविधाएं गाजीपुर सेवा केन्द्र में है। पंजाब नेषनल बैंक क्षेत्र के गाजीपुर एवं सैदपुर में, अरबन बैंक गाजीपुर एवं मुहम्मदाबाद सेवा केन्द्र पर तथा भारतीय जीवन बीमा निगम की सुविधाएं गाजीपुर, सैदपुर एवं मुहम्मदाबाद नगरीय सेवा केन्द्रों पर पायी जाती है।

इलाहाबाद बैंक– क्षेत्र के गाजीपुर, मुहम्मदाबाद, दिलदारनगर, दुल्लहपुर, बद्धोपुर, बेटावर एवं महेन्द में इलाहाबाद बैंक, गाजीपुर, सैदपुर, मुहम्मदाबाद एवं जमानियां में भूमि विकास बैंक हैं। गाजीपुर, सैदपुर, मुहम्मदाबाद एवं जमानियां में कोषागार एवं तहसील मुख्यालय पर उपकोषागार पाये जाते हैं।

सहकारी बैंक– क्षेत्र के गाजीपुर, जंगीपुर मरदह, रामपुरमांझा, नन्दगंज, सैदपुर, दुल्लहपुर, जखनियां, शादियाबाद हंसराजपुर, सादात, बहरियाबाद, बहादुरगंज, कासिमाबाद, करीमुद्दीनपुर एवं भांवरकोल में सहकारी बैंक की शाखाएं पायी जाती हैं।

यूनियन बैंक आफ इण्डिया– क्षेत्र के गाजीपुर, सैदपुर, सादात, जमनियां, मुहम्मदाबाद, हंसराजपुर, नन्दगंज, विरनों, दिलदारनगर, मांटा, मलिकपुरा, हुरमुजपुर, जंगीपुर, बहादुगंज, रेवतीपुर, वासुपुर, नायकडीह, जखनियां, शादियाबाद, गंगौली, करीमुद्दीनपुर, महराजगंज, मरदह, करण्डा, वाराचवर कटघरा, गहमर, खालिषपुर, औडियार, सबुआ, कटरिया उपरवार, शाहवाजकुली, जलालाबाद, उसिया आदि सेवा केन्द्रों पर यूनियन बैंक आफ इण्डिया की शाखांए कार्यरत हैं।

संचार सेवाएं–वर्तमान तकनीकी युग में किसी भी क्षेत्र की कार्य क्षमता में वृद्धि के कारण ही संचार एवं डाकघर की आवष्यकता दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। आधुनिकीकरण की पहचान टेलीफोन एवं डाक सेवाओं के विकास से भी होती है। किसी क्षेत्र में संचार सुविधाओं का प्रसार आर्थिक विकास का सूचक है।

तारघर– क्षेत्र के सात सेवा केन्द्रों गाजीपुर, मुहम्मदाबाद, जमानियां, सैदपुर, सादात, दिलदारनगर एवं जंगीपुर में उपलब्ध है। तीन डाकघर की सेवाएं गाजीपुर सेवा केन्द्र में, दो डाकघर की सेवाएं मुहम्मदाबाद, गहमर, रेवतीपुर, शेरपुर जमानियां एवं सैदपुर में है। एक डाकघर की सेवाएं सभी केन्द्रों पर पायी जाती हैं एवं अन्य सेवा केन्द्रों पर उपडाकघर की सेवायें हैं।

सहकारी समिति सेवा केन्द्र– किसी भी क्षेत्र में सहकारी समितियां उस क्षेत्र के समन्वित ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती है। कृषि उत्पादन में वृद्धि, परिवहन साधनों के विकास हेतु रासायनिक उर्वरकों आदि के विकास के फलस्वरूप क्षेत्र का समन्वित विकास संभव है। समन्वित ग्रामीण विकास का आधार सहकारी समितियां होती है। क्षेत्र के सभी केन्द्रों पर सहकारी समितियों का वितरण असमान है, जिसे तालिका संख्या 1.4 में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका संख्या 1.4
गाजीपुर जनपद में चयनित सेवा केन्द्रों पर सहकारी समितियों का विवरण

क्र.	**सहकारी समितियों के नाम**	**सेवा केन्द्रों की संख्या**
1	सब्जी मण्डी	5
2	कृषि मण्डी	4
3	सहकारी कृषि एवं ग्राम विकास शाखाएं	4
4	सहकारी बीज भण्डार	20
5	शीतगृह	13
6	सहकारी खाद समिति	70
7	गान्धी आश्रम	50
8	गैस एजेंसी	2
9	किरासन एजेंसी	6
10	पेटोल पम्प	20

सब्जी एवं कृषि मण्डी– क्षेत्र के जंगीपुर, जमानियां, मुहम्मदाबाद, सादात एवं सैदपुर में सब्जी मण्डी है। सैदपुर, जंगीपुर, मुहम्मदाबाद एवं जमानियां में कृषि मण्डी पायी जाती है।

सहकारी कृषि एवं ग्राम विकास शाखाएं– क्षेत्र के जंगीपुर, सैदपुर, मुहम्मदाबाद एवं जमानियां में ये सुविधाएं हैं जिससे कृषकों को कम दर पर ऋण की सुविधाएं सुलभ करायी जाती हैं।

किरासन एवं गैस एजेंसी– गाजीपुर, सैदपुर, जंगीपुर, मुहम्मदाबाद, जमानियां एवं सुहवल के किरासन एजेंसियों से क्षेत्र में किरासन उपलब्ध कराया जाता है। नन्दगंज एवं गांजीपुर सेवा केन्द्र पर गैस एजेंसी है।

पेट्रोल पम्प–क्षेत्र में गाजीपुर, मुहम्मदाबाद, औडियार, जमानियां, कासिमाबाद, भदौरा, विरनों, सैदपुर, शादियाबाद, वहादुरगंज, भांवरकोल, जखनियां, नन्दगंज, देवकली, जलालाबाद, सादात, मनिहारी, मरदह, जंगीपुर, बाराचवर एवं दिलदारनगर में पेट्रोल पम्प हैं।

सहकारी बीज भण्डार– क्षेत्र में गाजीपुर, जंगीपुर, वद्धोपुर, भडंसर, कासिमाबाद, मुहम्मदाबाद, करीमुद्दीनपुर, देवकली, बासुपुर, सैदपुर, खानपुर, सौनाखास, जखनियां, सादात, माहपुर, जमानियां, भदौरा, दिलदारनगर, सुहवल एवं कासिमबाद में बीज भण्डार केन्द्र है। क्षेत्र के सभी केन्द्रों पर खाद विक्रय केन्द्र की सुविधाएं हैं।

गांधी आश्रम– क्षेत्र के सैदपुर, सादात, जंगीपुर, मुहम्मदाबाद, गाजीपुर, जमानियां, बहादुरगंज, दिलदारनगर करीमुद्दीनपुर एवं गहमर में गांधी आश्रम भण्डार केन्द्र हैं।

शीतगृह– क्षेत्र के जलालाबाद, हंसराजपुर, गाजीपुर, मुहम्मदाबाद, कासिमाबाद, शेरपुर, सैदपुर, भदौरा, दुल्लहपुर, जहुराबाद, जंगीपुर जमानियां, हंसराजपुर में शीत गृह है।

औद्योगिक सेवा केन्द्र– किसी क्षेत्र के विकास में औद्योगिक केन्द्रों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वर्तमान औद्योगीकरण किसी भी क्षेत्र की प्रगति एवं सम्पन्नता का केवल आधार ही नहीं बल्कि उसके आर्थिक विकास का मापदण्ड भी माना जाता है। यही कारण है कि आधुनिक युग औद्योगिकयुग का प्रतीक बन गया है। आज विष्व के अधिकांष अल्पविकसित राष्ट्र औद्योगिकरण के द्वारा अपने तीव्र आर्थिक विकास के लिए प्रयत्नषील हैं। इसी प्रकार अध्ययन क्षेत्र में सेवा केन्द्रों द्वारा औद्योगिक विकास कर यहॉ के बेरोजगार निवासियो को रोजगार का अवसर प्रदान कर समन्वित ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाहन कर रहे हैं। क्षेत्र के औद्योगिक सेवाओं का विवरण तालिका संख्या 1.5 में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका संख्या 7.5
गाजीपुर जनपद में औद्योगिक सेवाओं का वितरण

क्र.	औद्योगिक सेवाएं	सेवा केन्द्रों की संख्या
1	इत्र एवं अफीम कारखाना	1–1
2	खोवा मण्डी एवं रंग बनाने का कारखाना	1–1
3	हथकरघा उद्योग	25
4	वर्तन निर्माण उद्योग	1
7	शराब कारखाना एवं चीनी मिल	1–1
8	बीडी उद्योग	15
9	अगरबत्ती उद्योग	4

इत्र एवं गुलाल जल कारखाना– इत्र बनाने का कारखाना गाजीपुर सेवा केन्द्र पर हैं। यहां लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। गाजीपुर में बडे पैमाने पर अफीम की खेती करके अफीम बनाया जाता है।

खोवा मण्डी– यहां दुग्ध का बडे पैमाने पर उत्पादन करके खोवा बनाया जाता है, जिसका विक्रय केन्द्र सैदपुर सेवा केन्द्र है। सैदपुर में रंग बनाने का कारखाना है जिसमें कुषल कारीगरों से रंग बनाकर अन्य राज्यों में भी रंग का निर्यात किया जाता है।

हथकरघा–क्षेत्र के गहमर, मुहम्मदाबाद, जमानियां, सादात, बहादुरगंज, दिलदारनगर, खालिसपुर, शादियाबाद, जंगीपुर, वहरियाबाद, भितरी, फतेहअल्लाहपुर, अंधऊ, हंसराजपुर, जहुराबाद, बडेसर, रूहीपुर, नसरतपुर नायकडीह, दौलतपुर एवं कासिमाबाद में हथकरघा उद्योग से कपडों की बुनाई का कार्य किया जाता है।

बीडी–अगरबत्ती एवं वर्तन बनाने के उद्योग– क्षेत्र के सादात, भितरी, सैदपुर, मुहम्मदाबाद, शादियाबाद, बहरियाबार, खानपुर, मखदूमपुर, गहमर, जंगीपुर, दौलतपुर, नायकडीह, खालिसपुर, फतेहअल्लाहपुर एवं भीमापार आदि केन्द्रों पर बीड़ी तथा गाजीपुर सैदपुर, मुहम्मदाबाद एवं सादात में अगरबत्ती बनाने का कार्य किया जाता है। सादात एवं गाजीपुर सेवा केन्द्र पर एल्युमिनियम के वर्तन बनाने का कार्य किया जाता है।

शराब बनाने का कारखाना एवं चीनी मिल– क्षेत्र के नन्दगंज सेवा केन्द्र पर शराब बनाने का कारखाना स्थापित किया गया है। यहां पर इस उद्योग में निवासियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध हो जाते हैं। नन्दगंज सेवा केन्द्र पर चीनी मिल कारखाना हैं जो आर्थिक तंगी के कारण अभी बन्द है।

परिवहन के सेवा केन्द्र–किसी भी क्षेत्र का विकास परिवहन अभिगम्यता पर आधारित होता है। इसलिए आर्थिक प्रक्रिया के रूपान्तरण में परिवहन की महती भूमिका होती है। क्षेत्र में रेल एवं सड़क परिवहन की महत्वपूर्ण भूमिका क्षेत्रीय विकास में सहायक सिद्ध है।

रेल परिवहन की सेवाएं–औड़ियार, सैदपुर, नन्दगंज, गाजीपुर, शाहबाजकुली, मुहम्मदाबाद करीमुद्दीनपुर, ताजपुरडेहमा, माहपुर, सादात, हुरमुजपुर, जखनियां, दुल्लहपुर, नायकडीह, दिलदारनगर, उसिया जमानियां, भदौरा, गहमर, वारा एवं खानपुर आदि सेवा केन्द्रों पर रेल परिवहन की सुविधाएं पायी जाती हैं।

सड़क यातायात– यह क्षेत्र के सभी सेवा केन्द्र से सड़क मार्ग जाल आपस में द्वारा सम्बद्ध है। स्पष्ट है कि जिन सेवा केन्द्रों पर परिवहन की यह सुविधाएं उपलब्ध नहीं है वे सेवा केन्द्र सड़क परिवहन द्वारा आपस में एक दुसरे से जुड़े हुए हैं जिनके माध्यम से ग्रामीण विकास का क्रियाकलाप सम्पादित होता रहता है। स्पष्ट है कि पदानुक्रमिक वर्ग के सभी सेवा केन्द्र अपने अनुरूप ही क्षेत्र में सेवाएं प्रदान करते हैं तथा सामाजिक–आर्थिक विकास का आधारीय ढांचा तैयार करते हैं।

समन्वित ग्रामीण विकास में सेवा केन्द्रों के समन्वित सेवाओं की भूमिका– समन्वित ग्रामीण विकास में सेवा केन्द्रों के सामाजिक–आर्थिक सेवाओं की भूमिका का अध्ययन किया गया है। क्षेत्र में सेवा केन्द्रों के सामाजिक–आर्थिक सेवाओं के चरों का अंकमान ज्ञात करके समन्वित Z Score ज्ञात करके जोडकर अध्ययन किया गया है जिसका परास 0 से 5.83 धनात्मक एवं 0 से 1.72 ऋणात्मक है। जिसे तालिका संख्या 1.6 में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका संख्या 1.6
गाजीपुर जनपद में सेवा केन्द्रों के समन्वित सेवाओं का वितरण

क्र.सं	Z. Score	विकासस्तर	विकासखण्डों की संख्या	%	सेवा केन्द्रों की सख्या	%
1	> 2.00	अति उच्च	3	18.75	27	20.3
2	1.00-2.00	उच्च	1	6.25	7	5.26
3	0-1.00	मध्यम उच्च	1	6.25	7	5.26
4	0- -1.00	मध्यम	6	37.50	48	36.09
5	>-1.00	मध्यम न्यून	5	31.25	44	33.08

वितरण प्रतिरुप–तालिका संख्या 1.6 एवं चित्र संख्या 1.1 A से स्पष्ट है कि सेवा केन्द्रों को विकासखण्ड अनुसार विभक्त करके समन्वित सेवाओं की भूमिका को 5 वर्गो में विभक्त कर अध्ययन किया गया है। क्षेत्र के 133 सेवा केन्द्र एवं जिनकी जनसंख्या 825229 है। प्रत्येक समन्वित सेवाओं पर 389 व्यक्ति आश्रित हैं।

अतिउच्च स्तरीय भूमिका– इसके अन्तर्गत 3 विकासखण्ड गाजीपुर, सैदपुर एवं मुहम्मदाबाद के सेवा केन्द्रों की समन्वित सेवाएं सम्मिलित है, जिसकी स्थिति मध्यवर्ती एवं पष्चिमी भाग में है, जिनका अंकमान क्रमषः 2910.77, 1657.70 एवं 1560.82 है। इसके अन्तर्गत 27 सेवा केन्द्र, जिनकी जनसंख्या 250016 है। प्रत्येक समन्वित सेवाओं पर 412 व्यक्ति आश्रित हैं।

उच्च स्तरीय भूमिका–इसके अन्तर्गत जमानियां विकासखण्ड के सेवा केन्द्रों के समन्वित सेवाओं को सम्मिलित किया गया है, जिसकी स्थिति दक्षिणी भाग में है, जिनका अंकमान 1190.86 है। इसके अन्तर्गत 7 सेवा केन्द्र जिनकी जनसंख्या 65921 है। प्रत्येक समन्वित सेवाओं पर 489 व्यक्ति आश्रित हैं।

मध्यम–उच्च स्तरीय भूमिका– इसके अन्तर्गत भदौरा विकासखण्ड के सेवा केन्द्रों के समन्वित सेवाओं को सम्मिलित किया गया है, जिसकी स्थिति दक्षिणी पूर्वी भाग में है, जिनका अंकमान 1084.66 है। इसके अन्तर्गत 07 सेवा केन्द्र, जिनकी जनसंख्या 82875 है। प्रत्येक समन्वित सेवाओं पर 508 व्यकित आश्रित हैं।

मध्यम स्तरीय भूमिका– इसके अन्तर्गत 6 विकासखण्ड विरनो, सादात, जखनियां, कामिमाबाद, रेवतीपुर एवं वाराचवर सम्मिलित है, जिसकी स्थिति सम्पूर्ण उत्तरी एवं दक्षिणी भाग में है, जिनका अंकमान क्रमषः 866.83, 800.16, 793.50, 762. 29, 750.38 एवं 734.63 है। इसके अन्तर्गत 48 सेवा केन्द्र, जिनकी जनसंख्या 252031 है। प्रत्येक समन्वित सेवाओं पर 513 व्यक्ति आश्रित हैं।

मध्यम–न्यून स्तरीय भूमिका– इसके अन्तर्गत 5 विकासखण्ड देवकली, करण्डा, भावरकोल मनिहारी एवं मरदह सम्मिलित हैं, जिसकी स्थिति पष्चिमी, दक्षिणी, पूर्वी एवं उत्तरी भाग में है, जिनका अंकमान क्रमषः 619.8, 520.79, 514.14, 472.89 एवं 443.89 एवं 443.34 है। इसके अन्तर्गत 44 सेवा केन्द्र जिनकी जनसंख्या 165987 है। प्रत्येक समचित सेवाओं पर 522 व्यक्ति आश्रित है।

समन्वित ग्रामीण विकास में विकासखण्डानुसार समन्वित सेवाओं की भूमिका–समन्वित ग्रामीण विकास में विकासखण्ड स्तर पायी जाने वाली समन्वित सेवाओं के माध्यम से क्षेत्र में सेवाओं की भूमिका स्पष्ट होती है जिसे क्षेत्र में ज्ञात करने के लिए सामाजिक–आर्थिक सेवाओं के अंकमान को ज्ञात कर उसका Z. Score निकाल कर जोड़ दिया गया है, जिसका परास 0 से 4.11 धनात्मक एवं 0 से 2.52 ऋणात्मक है, जिसे तालिका संख्या 1.7 में प्रस्तुत किया गया हैं।

तालिका संख्या 1.7
गाजीपुर जनपद में विकासखण्डानुसार समन्वित सेवाओं का विवरण स्तर

क्र.सं.	Z. Score	विकास स्तर	विकासखण्डों की संख्या	%
1.	> 4.00	अति उच्च	1	6.25
2.	2.00-4.00	उच्च	2	12.50

3.	0-2.00	मध्यम उच्च	5	31.25
4.	0- - 2.00	मध्यम	7	43.75
5.	>-2.00	मध्यम न्यून	1	6.25

तालिका संख्या 1.7 एवं चित्र संख्या 1.1B से स्पष्ट है कि विकासखण्डानुसार समन्वित सेवाओं को 5 वर्गों में विभक्त अध्ययन किया गया है, जिसकी सम्पूर्ण जनसंख्या 3037582 एवं सम्पूर्ण सेवाओं को ग्रहण करने वाले कुल सेवा केन्द्रों की संख्या 2665 है। प्रत्येक सेवाओं पर 410 व्यक्ति आश्रित हैं।

अतिउच्च स्तरीय भूमिका– इसके अन्तर्गत गाजीपुर विकासखण्ड सम्मिलित है, जिसकी स्थिति मध्यवर्ती भाग में है। इसका अंकमान 2911.69 है, इस वर्ग में समन्वित सेवाओं को ग्रहण करने वाले सेवा केन्द्रों की संख्या 179 जिसकी जनसंख्या 275049 है। प्रत्येक समन्वित सेवाओं पर 440 व्यक्ति आश्रित हैं।

उच्च स्तरीय भूमिका– इसके अन्तर्गत दो विकासखण्ड सैदपुर एवं मुहम्मदाबाद सम्मिलित है, जिसकी स्थिति मध्यवर्ती एवं पष्चिमी भाग में है, जिनका अंकमान क्रमषः 2352.77 एवं 2296.18 है। इस वर्ग में समन्वित सुविधाओं को ग्रहण करने वाले कुल सेवा केन्द्रों की संख्या 473 जिनकी जनसंख्या 448275 है। प्रत्येक समन्वित सेवाओं पर 452 व्यक्ति आश्रित हैं।

मध्यम–उच्च स्तरीय भूमिका–इसके अन्तर्गत 5 विकासखण्ड जमानियां, देवकली, सादात विरनों एवं जखनियां की समन्वित सेवाओं को सम्मिलित किया गया है, जिसकी स्थिति दक्षिणी, पष्चिमी एवं उत्तरी पष्चिमी भाग में है, जिसका अंकमान क्रमषः 20740.29, 195515.15, 1950.17 एवं 1869.22 है। इस वर्ग में समन्वित सेवाओं को ग्रहण करने वाले कुल सेवा केन्द्रों की संख्या 947 जिनकी जनसंख्या 956302 है। प्रत्येक समन्वित सेवाओं पर 460 व्यक्ति आश्रित है।

मध्यम स्तरीय भूमिका– इसके अन्तर्गत 7 विकासखण्ड कासिमाबाद भदौरा, रेवतीपुर मनिहारी, करण्डा, वाराचवर सम्मिलित है, जिसकी स्थिति उत्तरी, दक्षिणी, एवं उत्तरी पूर्वी भाग में है, जिनका अंकमान क्रमषः 1647.36, 1336.10, 1313.65, 1224. 91, 1309.37 इस वर्ग में समन्वित सेवाओं को ग्रहण करने वाले कुल सेवा केन्द्रों की कुल संख्या 991 एवं जनसंख्या 1195178 है। प्रत्येक समन्वित सेवाओं पर 480 व्यक्ति आश्रित है।

मध्यम–न्यून स्तरीय भूमिका– इसके अन्तर्गत भांवरकोल विकासखण्ड सम्मिलित है, जिसकी स्थिति क्षेत्र के पूर्वी भाग में है, जिसका अंकमान 1078.38 है। इस वर्ग में समन्वित सेवाओं को ग्रहण करने वाले सेवा केन्द्रों की संख्या 147 जिसकी जनसंख्या 163378 है। प्रत्येक सन्वित सेवाओं पर 485 व्यक्ति आश्रित हैं।

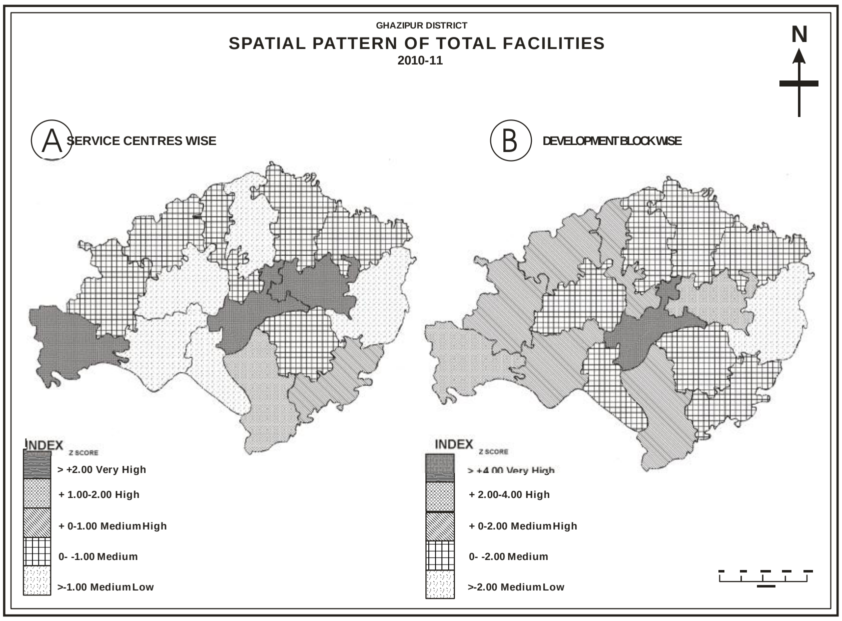

Fig-1.1

सेवा केन्द्र एवं विकासखण्डानुसार समन्वित सेवाओं का तुलनात्मक अध्ययन– स्पष्ट है कि अतिउच्च समन्वित सेवाओं के सेवा केन्द्र गाजीपुर, सैदपुर, मुहम्मदाबाद है। यहां पर सामाजिक–आर्थिक विकास का स्तर उच्च है, जबकि विकासखण्डानुसार समन्वित सेवा गाजीपुर विकासखण्ड में है। यह जनपद मुख्यालय एवं प्रमुख प्रषासनिक केन्द्र है। उच्च स्तरीय समन्वित सेवा के जमानियां विकासखण्ड के सेवा केन्द्र है। यहां पर औद्योगिक विकास तो उच्च है लेकिन सामाजिक विकास का स्तर मध्यम स्तर का है। विकासखण्डानुसार समन्वित सेवाओं के दो विकासखण्ड सैदपुर एवं मुहम्मदाबाद है। यहां पर सामाजिक–आर्थिक विकास उच्च है। मध्यम उच्च सेवओं के भदौरा विकासखण्ड के सेवा केन्द्र है। यहां बड़े सेवा केन्द्र पाये जाते है, लेकिन आर्थिक सेवाओं का मध्यम स्तर है। समन्वित सेवाओं के अनुसार पांच विकासखण्ड जमानियां, देवकली, सादात, विरनों एवं जखनियां है। यहां पर जमानियां उच्च औद्योगिक केन्द्र है लेकिन देवकली, सादात, उच्च सामाजिक स्तर का विकासखण्ड है जिसके कारण आर्थिक विकास में पीछे है। इसलिए यहां पर मध्यम–उच्च स्तरीय समन्वित सेवाएं पायी जाती हैं। मध्यम स्तरीय समन्वित सेवाओं के विरनो, सादात, जखनियां, कासिमाबाद, रेवतीपुर एवं वाराचवर विकासखण्ड के सेवा केन्द्र है। यहां पर समन्वित सेवाएं मध्यम स्तर की है। विकासखण्डानुसार समन्वित सेवाएं कासिमाबाद, भदौरा, मरदह, रेवतीपुर, मनिहारी, करण्डा एवं वाराचवर विकासखण्डों में है। यहां पर सेवा केन्द्र छोटे–छोटे पाये जाते है। कासिमाबाद एवं भदौरा नगरीय सेवाओं से युक्त है। सेवा केन्द्र अनुसार मध्यम न्यून स्तरीय सेवाएं देवकली, करण्डा, भावरकोल, मनिहारी एवं मरदह विकासखण्ड में है। यहां पर छोटे–छोटे सेवा केन्द्र पाये जाते है। इसी प्रकार समन्वित सेवाओं के अनुसार भावरकोल विकासखण्ड है जो सामाजिक, आर्थिक औद्योगिक अवस्थापनात्मक एवं कृषि विकास में न्यून स्तर का होने के कारण काफी पिछड़ा हुआ है। स्पष्ट है कि सामाजिक–आर्थिक सेवायें क्षेत्र के नगरीय सेवा केन्द्रों में अधिक एवं ग्रामीण केन्द्रों पर कम पायी जाती है।

REFERENCES

1. Pandey, J. N. (1985): A Strategy for Rural Development in V.K. Srivastav Commercial Ativities and Rural Development in South Asia, pp. 441-444.
2. Pandey, J.N. (1987): Role of Central Places in Integrated Rural Development I.S.C.A.
3. Mishra R.P. (1971): Growth Pole and Growth Centres in Urban and Regional Planning in India Development Studies No.2 University of Mysore, P. 19.
4. तिवारी,रेखा (1998):'' प्रतापगढ़ तहसील में केन्द्रस्थल एवं क्षेत्रीय अन्तः प्रक्रियायें ''उत्तर भारत भूगोल पत्रिका अंक 34 संख्या 12 पृष्ठ संख्या 87–99
5. Singh S.P. (1997): Intregrated Rural Development Programme I.R.D.P. Expatation & Achievements: A Case Study of development Block Sultanpur District, U.P. India N.G.J.I. Vol No. 43 part 1 March, pp. 58 – 69.
6. Ullman, E.L. (1954): Geography as Spatial Interaction Annals A.A.G. at VIII, pp. 283-284
7. सिंह, प्रियंका (2007): कुषीनगर जनपद में ग्रामीण सेवा केन्द्र एवं लघुस्तरीय नियोजन उत्तर भारत भूगोल पत्रिका पृष्ठ संख्या 99 से 104।
8. Sen., L.K.(1971): Planning Rural Growth Centers for Integrated Area Development: A study in Miralguda Toluca National Institute of Community Development Hyderabad
9. Sunderum K.V. (1972): Service Centres &Community of Interest Area: A Case Study of Rural Delhi Mishra R.P. et (eds) Urban System and Rural Development Part 1 Mysore pp. 23-35.
10. Chandra Shekhar, C. S. Mathur G.D. & Sunderam, K.V. (1972): The Role ofGrowth Foci in Regional Development Strategy in Mishra, R.P et (eds) Urban System and Rural Development Part 1 Mysore, pp. 36-70.
11.Pandey J.N. & Pandey Rekha (1990): Spatial Organization of Socio-Economic Facilities in Pratap Garh District, I.G.U. Symposium Gorakhpur.
12. Wanmali, S. (1970) Regional Planning for Social Facilities, National Institute of Community Development Hyderabad -30. An Examination of Central Place Concept and their Application. A Case Study of Eastern Maharashtra. Pp. 36-54